रणजीत टाइम्स

इंदौर

गुरुवार, 20 नवम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 286 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

इंटेलीजेंस की रिपोर्ट ने निरस्त करवाई लैंड पूलिंग!

उज्जैन पहुंच रहे थे हजारों किसान, यह जानकर हिल गई सरकार

सीएम ने किसानों के साथ हुई एक बैठक के बाद कर दिया ऐलान

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने उज्जैन में प्रस्तावित आध्यात्मिक शहर सिंहस्थ के लिए भूमि अधिग्रहण की योजना को वापस ले लिया है। यह फैसला किसानों के विरोध प्रदर्शन से ठीक पहले लिया गया। सरकार ने किसानों की मांगों को मानते हुए यह कदम उठाया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद सरकार ने भूमि अधिग्रहण का आदेश रद्द कर दिया। यह फैसला ऐसे समय में आया जब हजारों किसान विरोध प्रदर्शन करने वाले थे। इस

योजना के तहत 17 गांवों के करीब 1,800 भूस्वामियों से 2,378 हेक्टेयर जमीन ली जानी थी। किसान इस बात से नाराज थे कि उनकी जमीन स्थायी रूप से ले ली जाएगी। वे लंबे समय से चली आ रही प्रथा के अनुसार, कुंभ मेले के दौरान अस्थायी रूप से जमीन का उपयोग करने और बाद में उसे वापस लौटाने की मांग कर रहे थे।

- **इंटेलीजेंस की रिपोर्ट से हिल गई थी सरकार-** दरअसल, सिंहस्थ के लिए उज्जैन में 2 हजार 376 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना था। किसान इस जमीन पर स्थायी निर्माण का विरोध कर रहे थे। भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री को इस संबंध में एक मांग पत्र सौंपा था। इस फैसले के बाद 18 नवंबर को होने वाला प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा लैंड पूलिंग एक्ट को खत्म करने के बाद अब कम संख्या में किसान एक रैली निकालेंगे। सरकार के पास आ रही इंटेलीजेंस की रिपोर्ट ने सरकार को हिलाकर रख दिया था। इसके कारण उज्जैन में अव्यवस्था फैल सकती थी। इसी वजह से सरकार ने अपना फैसला बदल दिया।

एसआईआर पर इंदौर, भोपाल कलेक्टरों को फिर फटकार

- ग्वालियर कलेक्टर के काम पर भी नाराजगी, आयोग ने कहा-ऐक्शन लेंगे

भोपाल। चुनाव आयोग ने एसआईआर में धीमी प्रगति पर एक बार फिर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत बड़े शहरों वाले जिलों के कलेक्टरों को फटकार लगाई है। चुनाव आयोग की डायरेक्टर शुभ्रा सक्सेना ने इन कलेक्टरों से कहा है कि अगर अगली मीटिंग के पहले एसआईआई डिजिटाइजेशन में सुधार नहीं हुआ तो कलेक्टरों समेत उनके अधीनस्थ अमले पर कार्रवाई होना तय है। सक्सेना ने यह नाराजगी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये ली गई कलेक्टरों की मीटिंग में जताई है। उधर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनीतिक दलों की बैठक लेकर भी इस काम में तेजी लाने के लिए कहा है। बुधवार को चुनाव आयोग के अफसरों ने एक बार फिर एसआईआई के गणना पत्रक वितरण और डिजिटाइजेशन को लेकर कलेक्टरों के साथ संवाद किया। बताया जाता है कि इस दौरान यह जानकारी आई कि शहडोल, उमरिया, अनूपपुर जैसे छोटे जिलों की स्थिति में सुधार आया है। इन जिलों में पिछली मीटिंग में गड़बड़ पर कलेक्टरों को डांट पड़ी थी, लेकिन भोपाल, इंदौर, ग्वालियर जैसे बड़े शहरों में डिजिटाइजेशन का प्रतिशत काफी कम है।

देश पर गर्व करने वाला हर व्यक्ति हिंदू है

- यह शब्द धार्मिक नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक परंपरा

भागवत बोले-भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करना जरूरी नहीं

गुवाहाटी (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा- भारत और हिंदू एक ही हैं। भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की कोई जरूरत नहीं है। हमारी सभ्यता पहले से ही इसे जाहिर करती है। गुवाहाटी में एक कार्यक्रम के दौरान भागवत ने कहा कि जो भी भारत पर गर्व करता है, वह हिंदू है। हिंदू सिर्फ धार्मिक शब्द नहीं बल्कि एक सभ्यता गत पहचान है, जो हजारों साल की सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ी है। संघ चीफ सोमवार को तीन दिवसीय यात्रा के लिए असम की राजधानी गुवाहाटी पहुंचे। बुधवार को भागवत ने एक युवा सम्मेलन को संबोधित किया। इसके बाद 20 नवंबर को मणिपुर के लिए रवाना होंगे। असम में डेमोग्राफिक चेंज पर मोहन भागवत ने

कहा- हमें आत्मविश्वास, सतर्कता और अपनी जमीन-संस्कृति से मजबूत लगाव रखना चाहिए। साथ ही कहा कि समाज के सभी वर्गों को मिलकर निस्वार्थ भाव से काम करना चाहिए। पूर्वोत्तर को उन्होंने भारत की एकता में विविधता का बेहतरीन उदाहरण बताया।

सत्य साई बाबा का जन्म शताब्दी वर्ष दिव्य वरदान

- मोदी बोले-हमारी पीढ़ी के लिए यह सिर्फ एक उत्सव नहीं है बल्कि वरदान है

कार्यक्रम में ऐश्वर्या ने पीएम के पैर छुए, सचिन तेंदुलकर भी पहुंचे

अमरावती (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को आंध्रप्रदेश के पुट्टपर्थी में सत्य साई बाबा के शताब्दी समारोह कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा- श्री सत्य साई बाबा का यह जन्म शताब्दी वर्ष हमारी पीढ़ी के लिए सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि एक दिव्य वरदान है। आगे पीएम ने कहा कि आज भले ही वें हमारे बीच दैहिक स्वरूप में नहीं हैं, लेकिन उनकी शिक्षा, उनका प्रेम, उनकी सेवा भावना आज भी करोड़ों लोगों का मार्गदर्शन कर रही हैं। उनकी शिक्षा का प्रभाव लोगों के बीच दिखता है। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने 100 रुपए का स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। इससे पहले मोदी सत्य साई बाबा का मंदिर और समाधि पर पहुंचे। यहां उन्होंने पूजा-पाठ की।

जन्म शताब्दी इवेंट में सीएम मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, डिप्टी सीएम पवन कल्याण, एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय और पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी पहुंचे। इस दौरान ऐश्वर्या ने पीएम मोदी के पैर छुए। पीएम वहां से तमिलनाडु के कोयंबटूर पहुंचे। यहां समिट 2025 का उद्घाटन किया।

- 100 करोड़ लोग सोशल सिक्योरिटी के दायरे में आए- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में पिछले 11 वर्ष में ऐसी अनेक योजनाएं शुरू हुई हैं, जिन्होंने नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा को बहुत मजबूत कर दिया है और देश के गरीब, वंचित निरंतर सोशल सिक्योरिटी के दायरे में आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि 2014 में देश में 25 करोड़ लोग ही सोशल सिक्योरिटी के दायरे में थे। आज मैं बड़े संतोष के साथ बाबा के चरणों में बैठकर कहता हूं, आज ये संख्या करीब 100 करोड़ तक पहुंच चुकी है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत सरकार ने 10 साल पहले बेटियों की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए, उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना शुरू की थी।

भारत में ताकतवर एसयू-57 विमान बनाने को तैयार

- पुतिन की यात्रा से पहले रूस ने दिया बहुत बड़ा ऑफर

दुबई (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आगामी भारत यात्रा से पहले, रूस ने भारत को अपने अत्याधुनिक पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान एसयू-57 के पूर्ण लाइसेंस प्राप्त उत्पादन की पेशकश दोहराई है। इस प्रस्ताव में बिना किसी प्रतिबंध के फुल टेक्नोलॉजी ट्रांसफर भी शामिल है, जो भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने का प्रयास है। दुबई एयर शो के दौरान रूसी रक्षा निर्यातक रोसोबोरोन एक्सपोर्ट के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि ने यह प्रस्ताव बेहद स्पष्ट शब्दों में सामने रखा। उन्होंने कहा- हम रूस में निर्मित एसयू-57 की सप्लाई करने और भारत में विमान के प्रोडक्शन को संगठित करने के लिए तैयार हैं, जिसमें टेक्नोलॉजी ट्रांसफर शामिल है। अधिकारी के अनुसार पैकेज में फिफ्थ-जनरेशन टेक्नोलॉजी, इंजन और अन्य महत्वपूर्ण सिस्टम की ट्रेनिंग व ट्रांसफर शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक,

रूसी प्रतिनिधि ने जोर दिया कि मॉस्को का सबसे बड़ा फायदा उनकी विश्वसनीयता और पूरी पारदर्शिता है, खासकर तकनीक साझा करने के मामले में। उनके अनुसार, पश्चिमी देशों की तुलना में रूस न तो अपग्रेड रोकेगा और न ही कुछ और।

लंबे समय के लिए संयुक्त विकास का प्रस्ताव

रूस ने सिर्फ लाइसेंस उत्पादन ही नहीं, बल्कि भविष्य में विमान के संयुक्त अपग्रेडेशन की पेशकश भी की है। अधिकारी के अनुसार, सॉफ्टवेयर अपग्रेड से लेकर अन्य तकनीकी सुधार तक दोनों देश मिलकर एसयू-57 का अगला वर्जन विकसित कर सकते हैं। उन्होंने इसे 1960 के दशक में शुरू हुई मिग-21 के संयुक्त उत्पादन से लेकर अब तक के छह दशकों के रक्षा सहयोग का अगला अध्याय बताया। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अमेरिकी और फ्रांसीसी रक्षा उत्पादों की ओर रुख बढ़ाया है, लेकिन टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को लेकर पश्चिमी देशों की झिझक चिंता का विषय रही है। ऐसे में, नो-सैंक्शन रिस्क और अनलिमिटेड टेक ट्रांसफर का रूसी प्रस्ताव नई दिल्ली के लिए राजनीतिक और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण बन सकता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से बातचीत की। हेड ऑफ गवर्नमेंट समिट में हिस्सा लिया। रूस के राष्ट्रपति के प्रमुख सहयोगी और रूसी मैरीटाइम बोर्ड के चेयरमैन निकोलाई पात्रुशेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन के लिए अपने स्नेहपूर्ण शुभकामनाएं भेजीं और कहा कि वे पुतिन की मेजबानी करने के लिए उत्सुक हैं।

22 से 24 नवम्बर तक होगा निमाड़ उत्सव का भव्य आयोजन

झलकेगी विभिन्न लोक संस्कृतियों की छटा

प्रेमचंद गुप्ता

महेश्वर। पर्यटन एवं ऐतिहासिक नगरी महेश्वर में 22 से 24 नवम्बर तक "निमाड़ उत्सव 2025" का रंगारंग आयोजन होने जा रहा है। यह उत्सव निमाड़ की लोक संस्कृति, कला और परंपरा को समर्पित रहेगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में लोकगीत, नृत्य, कवि सम्मेलन, नौका सज्जा, खेल प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी, जिनसे निमाड़ की समृद्ध लोकधारा सजीव होगी। पहले दिन 22 नवम्बर को निमाड़ उत्सव का शुभारंभ भक्ति संगीत से होगा, जिसमें सुप्रसिद्ध गायक लखवीर सिंह लक्खा और साथी (नई दिल्ली) प्रस्तुति देंगे।

इसी दिन प्रातः 8 बजे विशाल रैली, कबड्डी प्रतियोगिता और नौका सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। 23 नवम्बर को बाड़मेर के भुट्टे खाँ एवं साथियों द्वारा मांगणियार गायन, पुरी के श्री चन्द्रमणी प्रधान एवं साथियों द्वारा गोटीपुआ नृत्य एवं बड़ौदा के विजय भाई राठवा एवं साथियों द्वारा राठ नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। इसी दिन निमाड़ी कवियों द्वारा भी प्रस्तुति दी जाएगी। निमाड़ी कवियों में मोहन परमार (खरगोन), दिलीप काले (महेश्वर), श्री राम शर्मा परिंदा (मनावर), जितेंद्र यादव (कसरावद), धन सिंह सेन (जलकोटा) एवं बिहारी पाटीदार गांव वाला (उमिया धाम करोंदिया) द्वारा अपनी रचनाएं प्रस्तुत की जाएगी। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता पद्मश्री जगदीश जोशीला द्वारा की जाएगी।

23 नवम्बर को मंच पर मांगलिगीत, गोटिपुआ नृत्य (पुरी) और राठ नृत्य जैसी पारंपरिक प्रस्तुतियाँ होंगी। वहीं शाम को प्रसिद्ध निमाड़ी कवि सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें मोहन परमार, दिलीप काले, दिनेश सेन सहित कई चर्चित कवि अपनी कविताएँ सुनाएंगे। इसी दिन कुश्ती प्रतियोगिता प्रातः 9 बजे से उत्कृष्ट विद्यालय में तथा दोपहर 12 से 3 बजे तक देवी अहिल्या किला में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। 24 नवम्बर को उत्सव का समापन लोकनृत्यों के साथ होगा। 24 नवम्बर को शास्त्रीय एवं लोकनृत्य की प्रस्तुतियां आयोजित होगी। इसमें खरगोन की गौरी देशमुख एवं समूह द्वारा कथक नृत्य, खण्डवा की अनुजा जोशी एवं समूह द्वारा गणगौर नृत्य और खण्डवा के श्री रामदास साकल्ले एवं समूह द्वारा काठी नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। इसी दिन राष्ट्रीय कवि सम्मेलन भी आयोजित होगा। इसमें राष्ट्रीय कवि सुदीप भोला, डॉ. शंभूसिंह मनहर, भुवन मोहिनी, नरेंद्र श्रीवास्तव अटल एवं राम भदावर 'ओज' कविता पाठ करेंगे। जिसमें सूत्रधार बुद्धिप्रकाश दाधीच होंगे। 24 नवम्बर को ही दोपहर 2 से 3 बजे तक देवी अहिल्या किला में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

पिछोर में कांग्रेस पार्टी द्वारा 6 दिवसीय सांकेतिक धरना का हुआ समापन

जगदीश पाल

शिवपुरी /पिछोर-: विगत दिनों से कांग्रेस पार्टी द्वारा चल रहा 6 दिवसीय पिछोर में सांकेतिक धरना समाप्त हुआ और आपको बता दें यह धरना कांग्रेस कमेटी पिछोर द्वारा दिया जा रहा है जिसमें शैलेंद्र प्रताप सिंह जूदेव (पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष खनियाधाना) द्वारा बताया गया कि पुलिस प्रशासन द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ हुई मारपीट पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को चिन्हित कर झूठी FIR दर्ज की जा रही है, साथ ही पुलिस द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अवैध वसूली की जा रही है। साथ ही जूदेव ने बताया कि आज तक पुलिस विभाग से कोई भी अधिकारी ना तो धरना स्थल पर आया और ना ही कोई बात सुनने को तैयार है और कुछ दिन पहले भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा धरना स्थल पर आकर गाली गलौज और आतिशबाजी की कुल मिलाकर विवाद उत्पन्न करना चाह रहे हैं। आपको बता दें विगत दिनों पिछोर विधानसभा अंतर्गत खनियाधाना थाने के सामने भी पांच दिवसीय धरना कांग्रेस पार्टी द्वारा दिया जा चुका है और अब पिछोर में भी दिया जा चुका है साथ ही जूदेव ने बताया अगर पांच दिवस के अंदर कोई कार्रवाई नहीं होती है तो एसपी ऑफिस शिवपुरी के सामने तंबू लगाकर विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। सांकेतिक धरना स्थल पर उपस्थित अरविंद लोधी (पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी पिछोर), शिशुपाल सिंह बघेल (संभागीय अध्यक्ष ओबीसी महासभा, ग्वालियर)अतुल पाराशर, विकास पाठक (पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष पिछोर) , चंद्रशेखर गौतम, पंजाब सिंह बघेल(ब्लॉक अध्यक्ष खोड़) अमोल सिंह लोधी (युवा कांग्रेस जिला महासचिव शिवपुरी), डॉ रामनारायण भार्गव (पूर्व जनपद उपाध्यक्ष खनियाधाना), संतोष शर्मा, अनिल गुप्ता (कार्यकारी अध्यक्ष पिछोर), सुनील शर्मा,ठाकुरदास लोधी, सचिन पाल , ब्रज मोहन शर्मा, रज्जू दाऊ, श्रीराम लोधी (सरपंच), अजय पाराशर, मांगीलाल पाराशर, आशीष पाल, राहुल तोमर , उपेंद्र राजा, सुनील गौर,भूरा लोधी एवं समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रगति की कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने की समीक्षा

दिलीप पाटीदार

धार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत जिले में अब तक किए गए कार्यों की प्रगति की समीक्षा आज कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की। इस दौरान सभी एसडीएम और राजस्व अधिकारियों को ऑनलाइन जोड़ा गया। वीसी में कलेक्टर श्री मिश्रा ने प्रत्येक अनुविभाग से प्राप्त प्रगति रिपोर्टों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से मतदाता सूची में दर्ज त्रुटियों के सुधार, नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया, बीएलओ द्वारा किए जा रहे घर-घर सर्वे, दावादूआपत्ति पंजीकरण तथा सत्यापन कार्यों की स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया। कलेक्टर ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सूची में कोई भी पात्र नागरिक छूट न जाए और किसी भी प्रकार की त्रुटि या दोहराव न रहे। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता सुचारु और पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया की मूल आधारशिला है, इसलिए इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि गहन पुनरीक्षण कार्य निर्वाचन आयोग की प्राथमिकता है, इसलिए प्रत्येक अधिकारी समय-सीमा में कार्यों को पूरा करे। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं को इसके बारे में व्यापक रूप से जागरूक किया जाए।वीसी के दौरान अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र में चल रहे कार्यों,निरीक्षण, टीमों की तैनाती तथा सामने आ रही चुनौतियों की जानकारी भी साझा की। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को समीक्षा के बाद फील्ड विज़िट बढ़ाने और प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

रणजीत टाइम्स

फिर विवादों में इंदौर का MY अस्पताल

महिला को एक्सपायरी ग्लूकोज चढ़ाया, अधीक्षक का चौंकाने वाला बयान, कहा- एक्सपायरी दवा से किसी की जान नहीं जाती

इंदौर। मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा इंदौर का सरकारी एमवाई अस्पताल एक बार फिर विवादों में है। यहां एक महिला मरीज को एक्सपायरी डेट का ग्लूकोज चढ़ा दिया गया। महिला के पति ने यह पूरा मामला कैमरे पर रिकॉर्ड किया और मीडिया को बताया। लेकिन मामला इससे भी बड़ा तब बन गया, जब एमवाई अस्पताल के अधीक्षक ने मीडिया के सामने कहा कि ÷एक्सपायरी दवा से किसी की भी जान नहीं जाती, यह सामान्य बात है।÷ एमवाय अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अशोक यादव यह बयान देते दिखाई दिए। यह पहला विवाद नहीं है। कुछ समय पहले अस्पताल में एक चूहे द्वारा नवजात को काटने की घटना सामने आई थी, जिसके बाद अधीक्षक छुट्टी पर चले गए थे। अब उनका यह नया बयान अस्पताल प्रबंधन की गंभीरता पर कई सवाल खड़ा करता है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, कुछ दिन पहले सागर सिंह अपनी पत्नी रोशनी सिंह को पेट दर्द की शिकायत के चलते एमवाई अस्पताल लेकर पहुंचे थे। सागर आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं और नौकरी न होने के कारण अपनी पत्नी का इलाज निजी अस्पताल में नहीं करा पा रहे थे। इसलिए उन्होंने 12 नवंबर को रोशनी को एमवाई अस्पताल में भर्ती कराया। रात में जब रोशनी को एक्सपायरी ग्लूकोज बोतल चढ़ाई जा रही थी, उन्होंने बोतल पर लिखी अगस्त 2025 की एक्सपायरी डेट देख ली और इसका वीडियो बना लिया। वीडियो बनाए जाने पर कुछ नर्सों ने इसका विरोध भी किया। बाद में इसकी शिकायत अस्पताल प्रबंधन को की गई। लेकिन शिकायत के बाद भी प्रबंधन कई घंटों तक मौन रहा। पहले मामले को टालने की कोशिश हुई, फिर बोतल बदल दी गई।

नर्स ने बदल दी थी बोतल

घटना सामने आने के बाद मीडिया ने एमवाय अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अशोक यादव से इस पूरे मामले पर सवाल किए। अधीक्षक ने बताया कि महिला मेडिसिन विभाग में भर्ती है और डॉक्टरों द्वारा लिखी दवाएं ही दी जा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नर्स ने बोतल स्टैंड पर लगाते समय एक्सपायरी डेट देखी और तुरंत बोतल बदल दी। डॉ. यादव के अनुसार एक्सपायरी दवाओं का उपयोग अस्पताल में प्रतिबंधित है और स्टोर में भी इसकी जांच कराई गई है। मामला सामने आने के बाद एक जांच समिति गठित कर दी गई है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी जताई नराजगी

एक्सपायरी डेट की बोतल चढ़ाई जाने के मामले को लेकर नगरी प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी नराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अधीक्षक से इस मामले में कड़ी कार्रवाई करने को कहा जाएगा।

उठते बड़े सवाल

- क्या सच में एक्सपायरी दवा किसी मरीज को नुकसान नहीं पहुंचाती?
- क्या ऐसे संवेदनहीन बयान से अस्पताल प्रबंधन अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रहा है?
- क्या सरकारी अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा से जुड़े मानकों का पालन सिर्फ कागजों तक सीमित है?
- मरीज और उनके परिजनों ने मामले की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

मेट्रो संचालन की तैयारियों की बड़ी समीक्षा, कैबिनेट मंत्री ने तीनों विभागों को साथ बैठाकर दिए महत्वपूर्ण निर्देश

इंदौर। शहर में मेट्रो संचालन शुरू होने की तैयारियों को देखते हुए बुधवार का दिन बेहद महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर मेट्रो के पूरे रूट का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नगर निगम, मेट्रो प्रबंधन और इंदौर विकास प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों को एक साथ बुलाकर उन सभी बिंदुओं की गहराई से समीक्षा की, जो मेट्रो के संचालन शुरू होने के बाद सीधी तौर पर यात्रियों की सुविधा और शहर की यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। मंत्री ने रूट के प्रत्येक हिस्से का बारीकी से जायजा लेते हुए यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि मेट्रो की शुरुआत से पहले किसी भी प्रकार की कमी या तकनीकी समस्या न रह जाए। निरीक्षण के दौरान सबसे बड़ी समस्या कई स्टेशनों पर पार्किंग व्यवस्था की कमी के रूप में सामने आई। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि मेट्रो के शुरू होने के बाद यात्रियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा वाहन खड़ा करने का होगा। कई स्टेशन ऐसे हैं, जहां पार्किंग के लिए पर्याप्त जमीन ही उपलब्ध नहीं है। इस गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्होंने मेट्रो की डिजाइन और वास्तु टीम को बुलाकर हर स्टेशन पर पार्किंग की समुचित रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां जमीन उपलब्ध नहीं है, वहां इंदौर विकास प्राधिकरण वैकल्पिक जमीन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तत्काल शुरू करेगा, ताकि यात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मंत्री ने बताया कि पिछले निरीक्षण के दौरान भी कुछ समस्याएं बताई गई थीं, जैसे सड़क के बीच बने अवरोधक (डिवाइडर) का अधूरा काम, पौधारोपण का बराबर न होना और कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य में लापरवाही। इस बार निरीक्षण में यह सकारात्मक बात सामने आई कि इन कमियों को सुधारने की दिशा में कार्य शुरू हो चुका है, लेकिन अभी भी कई जगह कुछ समस्याएं मौजूद हैं जिन्हें जल्द से जल्द दुरुस्त करने के लिए संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दे दिए गए हैं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने तीनों विभागों के अधिकारियों को यह भी समझाया कि मेट्रो जैसे बड़े प्रोजेक्ट में आपसी तालमेल और संवाद बेहद महत्वपूर्ण है। जब तक सभी विभाग एक साथ और योजनाबद्ध तरीके से काम नहीं करेंगे, तब तक परियोजना का सुचारू संचालन संभव नहीं है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि मेट्रो रूट पर जहां भी कोई समस्या दिखाई दे रही है, उसे तुरंत ठीक करने के लिए आदेश जारी किए जा रहे हैं। सरकार का उद्देश्य यह है कि इंदौर मेट्रो शुरू होने से पहले सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार पूरे कर लिए जाएं। ताकि यात्रियों को सुरक्षित, सहज और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिल सके और शहर के यातायात पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़े। यह निरीक्षण इस बात का संकेत है कि सरकार इंदौर मेट्रो को लेकर बेहद गंभीर है और किसी भी प्रकार की कमी या लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।

इंदौर: बीआरटीएस परियोजना की धीमी रफ्तार पर सवाल, नौ दिन में ढाई कोस की रफ्तार

हाईकोर्ट की फटकार के बाद निगम को सिंगल टेंडर मंजूर करने पड़े

इंदौर। बीआरटीएस कॉरिडोर को तोड़ने और उसके बाद नए निर्माण से जुड़े कामों को लेकर नगर निगम पूरी तरह कटघरे में खड़ा है। पिछले नौ महीनों से टेंडरों की लंबी प्रक्रिया और काम की धीमी प्रगति ने इस परियोजना को मजाक बना दिया है। मीडिया में लगातार उठ रही आलोचनाओं और हाईकोर्ट की सख्त फटकार के बाद निगम को अंतत- महापौर परिषद की बैठक में सेंटर डिवाइडर निर्माण सहित दो पैकेजों के सिंगल टेंडर भी मंजूर करने पड़े। जबकि आयुक्त ने पहले पुनः टेंडर बुलाने की अनुशंसा की थी। कोर्ट की नाराजगी के बाद यह साफ हो गया था कि इस बार सिंगल टेंडर को मंजूरी देनी ही पड़ेगी और हुआ भी यही। महापौर परिषद ने जहां बीआरटीएस के निर्माण कार्यों को आगे बढ़ाने की अनुमति दी, वहीं 30 से अधिक चौराहों, ग्रीन बेल्ट और उद्यानों को गोद देने के प्रस्तावों को भी मंजूरी प्रदान की। इसके साथ ही तीन फुट ओवरब्रिजों और 44 जेंट्री पर विज्ञापन अधिकारों के ऑनलाइन टेंडर भी मंजूर किए गए।

11.5 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर निगम के गले की घंटी बना –निरंजनपुर से राजीव गांधी चौराहे तक लगभग साढ़े 11 किलोमीटर लंबे बीआरटीएस कॉरिडोर को हटाने का काम पिछले नौ महीनों में भी सुचारु रूप से पूरा नहीं हो पाया। निगम को एकमात्र ठेकेदार फर्म मिली, वह भी इतनी धीमी निकली कि अब तक एक किलोमीटर का हिस्सा भी पूरी तरह नहीं तोड़ा जा सका है। जीपीओ चौराहे से लेकर भाजपा कार्यालय तक का हिस्सा टूटा जरूर है, लेकिन वह भी अब पार्किंग स्थल जैसा उपयोग हो रहा है। रैलिंग हटाना, बस स्टॉप तोड़ना और सेंटर डिवाइडर का नया निर्माण – यह सब काम निगम को तेजी से शुरू कराना था, लेकिन वास्तविकता इसके उलट दिखी। इसी देरी के कारण परियोजना का हाल 'नौ दिन चले अढ़ाई कोस' से भी खराब बताया जा रहा है।

महापौर और विभागीय प्रभारी ने दिया दबाव, आखिरकार माने आयुक्त – लोक निर्माण और उद्यान विभाग के प्रभारी राजेंद्र राठौर ने महापौर को बैठक से पहले पत्र देकर स्पष्ट कहा कि समय पर काम पूरा करवाने के लिए सिंगल टेंडर को मंजूरी देना आवश्यक है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव भी इस पर सहमत रहे और बैठक में आयुक्त ने भी कोर्ट की फटकार को देखते हुए सिंगल टेंडरों को स्वीकृति देने पर सहमति जताई। इससे अब तीनों पैकेजों के तहत निरंजनपुर से राजीव गांधी चौराहा तक सेंटर डिवाइडर निर्माण का काम शुरू हो सकेगा। यदि निगम फिर से टेंडर रद्द करता तो पूरी प्रक्रिया में 3 से 4 माह और जोड़ने पड़ते, जिससे देरी और बढ़ जाती।

विदेशी ड्रग सप्लायर का बड़ा भंडाफोड़, वेस्ट अफ्रीका की लिंडा 15.50 लाख की कोकीन के साथ गिरफ्तार

स्टूडेंट वीज़ा पर आई थी देश और मुंबई में बैठकर चला रही थी नेटवर्क

इंदौर। शहर के पॉश रेसिडेंसी क्षेत्र में मंगलवार शाम अचानक सनसनी फैल गई, जब नारकोटिक्स विंग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए विदेशी ड्रग सप्लायर को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। वेस्ट अफ्रीका की 25 वर्षीय लिंडा ओडियो को पुलिस ने साईं मंदिर के पीछे पानी की टंकी के पास से गिरफ्तार किया, जहां वह कोकीन सप्लाई करने पहुंची थी। उसके पास से 31.85 ग्राम उच्च गुणवत्ता की कोकीन बरामद की गई, जिसकी कीमत लगभग 15 लाख 50 हजार रुपये बताई जा रही है। जिस इलाके में रोज़ाना भारी संख्या में लोग घूमने निकलते हैं, वहीं यह विदेश महिला नशे की डिलीवरी करने पहुंची थी। मुखबिर की सटीक सूचना पर नारकोटिक्स टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। जांच में खुलासा हुआ कि लिंडा नालासोपारा, मुंबई में रहती थी और 2024ङ्क2025 में जारी हुए स्टूडेंट वीज़ा के सहारे भारत आई थी। पढ़ाई के नाम पर देश आने के बाद उसने ड्रग सप्लाई का नेटवर्क जॉइन कर लिया और धीरे-धीरे सक्रिय सप्लायर बन गई। इंडियन ड्रग नेटवर्क में विदेशी युवकों-युवतियों के शामिल होने के कई मामले पहले भी सामने आ चुके हैं, लेकिन लिंडा का यह केस इंदौर में ड्रग रैकेट की एक नई कड़ी उजागर करता है। अब बड़ा सवाल यह है कि इंदौर में उसे कोकीन लेने कौन बुला रहा था और किस गिरोह के लिए वह काम कर रही थी। पुलिस इन सभी बिंदुओं की गहराई से जांच कर रही है। लिंडा के कब्जे से मिला एप्पल मोबाइल भी जब्त कर लिया गया है, जिसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि मोबाइल से चैट, कॉल रिकॉर्ड, संपर्क सूची और पेमेंट डिटेल जैसे महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं, जो पूरे रैकेट की सच्चाई सामने लाएंगे और जुड़े हुए अन्य गिरोहों का नेटवर्क भी उजागर करेंगे। पूरी कार्रवाई मंगलवार शाम 5ः30 बजे से रात 7ः50 बजे के बीच की गई, जबकि एफआईआर रात 10ः26 बजे दर्ज हुई। इस ऑपरेशन का नेतृत्व निरीक्षक राधा जामोद ने किया। टीम में निरीक्षक हरीश सोलंकी, उपनिरीक्षक सीमा मिमरोट, आरक्षक ओमप्रकाश राठौर, प्रदीप पाल, रजनीश पांडे, रवि कदम और महिला आरक्षक स्मिता राठौर एवं नेहा तिवारी शामिल रहीं। सभी ने मिलकर योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी की और लिंडा को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। आज लिंडा को कोर्ट में पेश किया जाएगा, जहां पुलिस रिमांड मांगेगी ताकि उससे यह जानने के लिए विस्तृत पूछताछ की जा सके कि वह कोकीन किसके लिए लेकर आई थी, नालासोपारा से उसका संपर्क कौन करता था और इस गिरोह का संचालन कहां से होता है। नारकोटिक्स विभाग का कहना है कि यह गिरफ्तारी इस बड़े रैकेट की सिर्फ शुरुआत है। आने वाले दिनों में ड्रग नेटवर्क की कई और परतें खुलने की संभावना है।

सहजयोग ध्यान, तनाव व दुविधा की स्थिति में शांत व संतुलित रहने में सक्षम बनाता है

इस घोर कलियुग में मूल्यों का पतन हो रहा है, अराजकता फैली हुई है, इंसान अपने अंदर अशांति को अनुभव कर रहा है। पूरी तरह से भ्रम की स्थिति बनी हुई है। इंसान अपने अंदर तनाव को महसूस कर रहा है। इस स्थिति में शांति के लिए प्रयास करना जरुरी है। क्योंकि हम पर जिम्मेदारियां हैं परिवार के प्रति, समाज के प्रति व अपने स्वंय के प्रति भी। इस स्थिति में हम समस्त विचारों से मुक्त

होकर ध्यान के माध्यम से साक्षी भाव में प्रवेश करते हैं तो हम साक्षी भाव से अपने आसपास घटित हर प्रक्रिया व घटना को देखते हैं व अपने अंदर उठ रहे विचारों को भी साक्षी भाव से घटते देखने लगते हैं। कोई भी दुर्व्यवहार या अप्रिय घटना का हम पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। हमारे शरीर के चक्रों में गले में स्थित विशुद्धि चक्र पर ध्यान से ही साक्षी भाव के गुण हमारे अंदर प्रस्थापित होते हैं। जब ऐसा होता है तो हम अराजकता से दूर होने लगते हैं। किसी भी घटना के साथ स्वयं को जोड़ते नहीं हैं बस देखते भर हैं और सहज योग की ध्यान प्रक्रिया से जुड़ हम उस समस्या से निदान हेतु चैतन्य से प्रार्थना करते हैं। यही कारण है कि भगवान बुद्ध व भगवान महावीर ने ध्यान पर विशेष बल दिया है। सहज योग ध्यान से जुड़कर अहंकार को पूर्णतः त्यागकर पूर्ण समर्पण के साथ जब हम अपने अंदर समस्त घटनाओं के प्रति दृष्टा भाव उत्पन्न करते हैं तब धीरे धीरे हमारा साक्षी भाव में प्रवेश हो जाता है। यह प्रक्रिया कठिन नहीं है, सहज योगी नियमित ध्यान करते हुए साक्षी भाव को पा लेते हैं। साक्षी भाव की प्राप्ति भी साधना से ही संभव है अतः सहज ध्यान से जुड़कर प्रयास किया जाना चाहिए।

4 जून 1995 को अपने प्रवचन में श्री माताजी ने कहा है कि, अपने भीतर उस शांति का विकास करें जिससे आप स्वयं के साक्षी बन सकें। आपको खुद को देखने में सक्षम होना चाहिए और देखना चाहिए कि ऐसी कौन सी चीजें हैं जो आपको नीचे गिरा रही हैं क्योंकि आज दुनिया पूरी तरह अराजक है। इस अराजक दुनिया से, आपको एक बहुत ही शांतिपूर्ण, सुंदर दुनिया में ऊपर उठना है और आपको इसमें बहुतों को लेना है। इसके लिए आपमें गुणवत्ता होनी चाहिए।" इस अनूठी ध्यान पद्धति से जुड़ने हेतु व आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

8 दिन पहले हुई चोरी का पुलिस ने किया खुलासा, 4 आरोपी गिरफ्तार, एक फरार, एक लाख से अधिक नगद, 55 किलो प्याज के कण व कार की जप्त

दिलीप पाटीदार

दसई। पुलिस ने ग्राम दसई में 8 दिन पहले एक दुकान में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए 4 आरोपियो को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने आरोपियो से एक लाख दस हजार रुपये नगद सहित 3 लाख रुपये से अधिक का चोरी का सामना बरामद किया तथा घटना में प्रयुक्त एक कार भी जप्त की हैं।दसई चौकी प्रभारी जगदीशचंद्र निनामा ने बताया कि दसई के नया बाजार निवासी राजेश पिता सागरमल मंडलेचा की दसई के इमली घेरिया क्षेत्र स्थित दुकान से 9 नवंबर की रात्रि में अज्ञात बदमाश ताला तोड़कर प्याज के कण की 11 पेटी चुराकर ले गए थे। फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया था।

मामले में धार एसपी मयंक अवस्थी, एएसपी पारुल बेलापुरकर व विजय डावर के निर्देश पर तथा सरदारपुर एसडीओपी विश्वदीपसिंह परिहार के मार्गदर्शन में व अमझेरा थाना प्रभारी राजू मकवाना के नेतृत्व में बदमाशों की तलाश हेतु टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटना स्थल से एक लोहे की टामी व तीन साड़ियों के टुकड़े जप्त कर बदमाशो की तलाश शुरू करते हुए सायबर टीम की मदद ली गई। आरोपी अनिल पिता कैलाश चौहान, यादव कुमार पिता आशाराम प्रजापत, जितेंद्र पिता वरदीचंद मालवीय तीनो निवासी ग्राम खिलेड़ी व भेरूलाल पिता रामलाल गामड़ निवासी ग्राम बामन्दा खुर्द को गिरफ्तार किया गया। आरोपियो से पूछताछ में उन्होंने बताया कि उनके द्वारा रैकी करने के पश्चात बलेनो कार से ग्राम दसई आकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया तथा चोरी के प्याज के 1 लाख 10 हजार रुपये के कण बेच दिए गए। पुलिस टीम आरोपियो से बेचे गए प्याज के कण के 1 लाख दस हजार रुपये व शेष प्याज के कण 55 किलो कीमत करीब 3 लाख 2 हजार 500 रूपये के जप्त करने के साथ ही घटना में प्रयुक्त कार क्रमांक एमपी 09 डब्ल्यूएम 4588 कीमत करीब 5 लाख रुपये की जप्त की है। वही घटना में शामिल आरोपी करण पिता राजेश निवासी ग्राम टीमरीपाड़ा थाना राजगढ़ फरार है। जिसकी तलाश की जा रही हैं। आरोपियो की गिरफ्तारी में दसई चौकी प्रभारी जगदीशचंद्र निनामा की टीम के प्रधान आरक्षक मन्नुसिह भूरिया व भारतसिंह बामनिया, आरक्षक मेहरबान सिंह, रमेश, महिला आरक्षक मंजू देवदा, सायबर सेल के आरक्षक प्रशांत, सैनिक भेरूलाल पाटीदार व महेश सीरवी का योगदान रहा है।

भोपाल में वंदे भारत प्रोजेक्ट को लेकर बड़ा टकराव

निशातपुरा के करारिया गांव में किसानों और रेलवे के बीच विवाद गहराया, फुल मेंटेनेंस हब की बाउंड्री वॉल ने बढ़ाई चिंता

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में वंदे भारत एक्सप्रेस के फुल मेंटेनेंस हब को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। निशादपुरा के करारिया गांव में बन रहे इस हाई-प्रोफाइल रेलवे प्रोजेक्ट का काम तेजी से चल रहा है, लेकिन इसी के साथ ग्रामीण किसान भारी संकट में पड़ गए हैं। करोड़ों की लागत से बन रहे इस डिपो के कारण किसानों के खेतों तक पहुंच का रास्ता बंद होने की स्थिति बन चुकी है, जिससे किसान सड़क पर उतरने को मजबूर हो गए हैं। करीब 150 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा वंदे भारत का यह आधुनिक मेंटेनेंस हब रेलवे की जमीन पर तैयार किया जा रहा है। लेकिन करारिया गांव के किसान सबसे अधिक इसी बात से परेशान हैं कि रेलवे लंबी बाउंड्री वॉल बनाकर उनके खेतों के एकमात्र रास्ते को बंद कर रहा है। किसानों का कहना है कि एक तरफ गहरा नाला है और दूसरी तरफ

रेलवे की खड़ी दीवार, ऐसे में खेतों तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं बचेगा। किसानों का दर्द नई बात नहीं है। उन्हें यह जख्म 40 साल पहले भी मिला था। 31 अक्टूबर 1984—इंदिरा गांधी की हत्या वाले दिन—इसी इलाके में किसानों की जमीन रेलवे ने अधिग्रहित कर ली थी। लेकिन इस अधिग्रहण के चार दशक बीत जाने के बाद भी किसानों को न तो उचित मुआवजा मिला, न रोजगार का वादा पूरा हुआ और न ही खेतों तक पहुंच का वैकल्पिक मार्ग। इस लंबे संघर्ष के बीच अब नया प्रोजेक्ट उनके सामने नई मुसीबत बनकर खड़ा हो गया है। किसानों का आरोप है कि पहले से 8000 पेड़ काटकर जमीन को समतल किया गया और बाउंड्री वॉल बन रही है। पहले किसी तरह छोटा रास्ता दिया गया था, लेकिन अब रेलवे उस शेष बचे मार्ग को भी पूरी तरह बंद करने जा रहा है। किसानों का कहना है कि 100 किसानों की करीब 150 एकड़ जमीन इस प्रोजेक्ट में फंट चुकी है और उनकी रोजी-रोटी भारी संकट में है।

1984 के वादे अब भी पूरे नहीं – रेलवे ने जमीन अधिग्रहण के समय किसानों को खेत तक पहुंचाने के लिए 7 गेट बनाने का आश्वासन दिया था। वे गेट आज तक नहीं बने। उलटा अब रास्ता भी बंद किया जा रहा है, जिससे किसानों में गहरी नाराजगी है।

रेलवे ने साफ कहा—काम बदलेगा नहीं – इस विवाद पर सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रोजेक्ट न रोका जाएगा और न बदला जाएगा। सुरक्षा कारणों के चलते बाउंड्री वॉल पूरी तरीके से बनाई जाएगी। हालांकि उन्होंने कहा कि किसानों की मुश्किलों को लेकर रेलवे मामला जिला प्रशासन को भेजेगा और चर्चा की जाएगी, लेकिन फिलहाल रास्ता देने पर कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया गया।

किसानों का अविश्वास बढ़ा – रेलवे के पिछले वादों के न पूरे होने के कारण किसान अब भरोसा करने को तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि बिना रास्ते के खेती सम्भव नहीं और मुआवजा भी नहीं मिला, ऐसे में वे जाएं तो जाएं कहां। मध्य प्रदेश में रेलवे प्रोजेक्ट आते ही विवाद उठने की परंपरा रही है। हाल ही में देवास में रेल लाइन को लेकर ऐसा ही संघर्ष सामने आया था। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि करारिया गांव के किसान अपनी मांगों पर न्याय पा सकेंगे या नहीं, या फिर उन्हें फिर से अधूरे वादों का बोझ ही ढोना पड़ेगा।

चार साल से पेंशन के इंतज़ार में रिटायर्ड महिला प्रोफेसर

हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए विश्वविद्यालय और शासन के शीर्ष अधिकारियों को अवमानना नोटिस भेजा

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की रिटायर्ड महिला प्रोफेसर डॉ. अंजना शर्मा को चार वर्ष बीत जाने के बाद भी पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ न मिलने पर जबलपुर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार और उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव अनुपम राजन को अवमानना का नोटिस जारी करते हुए चार सप्ताह के भीतर जवाब तलब किया है। यह मामला लंबे समय से लंबित था और इससे परेशान होकर डॉ. शर्मा को न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। डॉ. अंजना शर्मा वर्ष 2021 में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से प्रोफेसर के पद से सेवानिवृत्त हुई थीं, लेकिन रिटायरमेंट के चार साल बाद भी उन्हें न तो पेंशन मिल पाई है और न ही ग्रेच्युटी व अन्य सेवानिवृत्ति लाभ। शिकायत में बताया गया कि अब तक उनका पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) और ग्रेच्युटी भुगतान आदेश (जीपीओ) तक जारी नहीं किया गया है, जबकि विश्वविद्यालय को पहले भी कई बार हाईकोर्ट की ओर से स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं कि उन्हें तत्काल लाभ प्रदान किया जाए।

जब भी कोर्ट की ओर से आदेश जारी हुए, विश्वविद्यालय की ओर से उनका पालन नहीं किया गया। इसी अवहेलना के चलते डॉ. शर्मा ने अधिवक्ता पंकज दुबे के माध्यम से अवमानना याचिका दायर की। याचिका पर सुनवाई के दौरान न्यायालय की बेंच ने इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार और प्रमुख सचिव दोनों को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा। कोर्ट ने कहा है कि इस तरह की उपेक्षा न केवल आदेशों की अवमानना है, बल्कि यह सेवानिवृत्ति के बाद अपने अधिकारों की प्रतीक्षा कर रहे कर्मचारी के मूलभूत अधिकारों का भी घोर उल्लंघन है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता पंकज दुबे और रितिका गुप्ता ने पैरवी की। उन्होंने न्यायालय को बताया कि बार-बार कोर्ट के आदेशों के बावजूद जानबूझकर लाभ देने से इंकार किया जा रहा है। यह एक महिला प्रोफेसर के साथ अन्याय है, जो चार साल से अपनी ही मेहनत की कमाई को पाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। उनकी ओर से यह भी कहा गया कि विश्वविद्यालय की ओर से आदेश मानने में जिस तरह की टालमटोल की जा रही है, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और प्रशासनिक उदासीनता का प्रतीक है। हाईकोर्ट ने पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए अब अधिकारियों से स्पष्ट जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी, और उम्मीद है कि न्यायालय की इस सख्ती का लाभ डॉ. अंजना शर्मा को जल्द मिलेगा तथा उन्हें उनके सभी सेवानिवृत्ति लाभ समय पर सौंपे जाएंगे।

सत्ता के प्रभाव का गंभीर आरोप

जनपद अध्यक्ष पति और भाजपा नेत्री पर जमीन कब्जाने की शिकायत, पीड़ित बोला :- अब आत्महत्या के अलावा कोई रास्ता नहीं

शिवपुरी। सत्ता के प्रभाव और दबंगई का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने प्रशासनिक निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्वालियर निवासी अनिल विरथरे और मुरारीलाल शर्मा ने आरोप लगाया है कि जनपद अध्यक्ष पति रघुवीर रावत, भाजपा नेत्री शशि शर्मा और नलीन शर्मा ने उनकी जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया है। पीड़ितों का कहना है कि वे कई बार शिकायत लेकर पहुंचे, लेकिन सत्ता से जुड़े लोगों के कारण उनकी कोई सुनवाई नहीं की गई। अंततः उन्होंने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत सौंपी और अपनी जमीन वापस दिलाने की मांग की। पीड़ित अनिल विरथरे का कहना है कि छह साल पहले उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई से ग्राम नोहरीकला में आवासीय प्लॉट खरीदा था। प्लॉट का नामांतरण, सीमांकन और खंभे लगाने तक की कार्यवाही पूरी की जा चुकी थी। लेकिन कुछ दिन पहले जनपद अध्यक्ष पति रघुवीर रावत समेत अन्य लोगों ने दबाव बनाकर इस प्लॉट पर जबरन कब्जा कर लिया। आरोप के अनुसार जब पीड़ितों ने इसका विरोध किया तो उन्हें धमकाकर भगा दिया गया। अनिल का कहना है कि ÷जब हमने भाजपा नेत्री शशि शर्मा से बात की तो उसने भी साफ कह दिया कि सरकार हमारी है, तुम जो करना है कर लो।'' पीड़ितों ने भावुक होते हुए कहा कि अब उनकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही। प्रशासन सत्ता के दबाव में आंखें मूंदे हुए है, और ऐसे में आत्महत्या के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। जिले के जिम्मेदार अधिकारी भी इस मामले पर कैमरे के सामने कुछ भी कहने से बचते दिखे, जिससे पीड़ितों की पीड़ा और बढ़ गई है। शिवपुरी में यह घटना पहली बार नहीं है, जब सत्ता से जुड़े लोगों पर जमीन कब्जाने का आरोप लगा हो।

एसबीआई घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय की बड़ी कार्रवाई

दुबई में आरोपी श्रीकांत भासी की 51 करोड़ की संपत्ति जब्त, 1266 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी का मामला गहराया

भोपाल। देश के सबसे बड़े बैंक धोखाधड़ी मामलों में से एक में प्रवर्तन निदेशालय ने कड़ा कदम उठाते हुए आरोपी श्रीकांत भासी की दुबई में स्थित 51 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया है। प्रवर्तन निदेशालय की भोपाल इकाई द्वारा की गई इस कार्रवाई के बाद 1266 करोड़ रुपये के स्टेट बैंक समूह घोटाले की जांच और गंभीर हो गई है। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार, श्रीकांत भासी ÷एडवांटेज ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड÷ नामक कंपनी के निदेशक हैं। कंपनी पर आरोप है कि उसने भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व वाले बैंक समूह से भारी भरकम ऋण लेकर उसका गलत उपयोग किया। जांच में सामने आया कि कंपनी ने ऋण राशि को कारोबार में लगाने के बजाय विदेशों में भेज दिया और फर्जी तथा संदिग्ध लेनदेन के माध्यम से धन शोधन किया। धन शोधन निवारण कानून की धारा 5 के तहत जिन संपत्तियों को जब्त किया गया है, उनमें दुबई के आलीशान फ्लैट और वाणिज्यिक परिसर शामिल हैं। जांच एजेंसी का कहना है कि ऋण की राशि को कई देशों में भेजकर कई परतों में घुमाया गया, ताकि उसके असली स्रोत को छिपाया जा सके। अब यह पूरी संपत्ति कानूनी रूप से सरकारी नियंत्रण में आ गई है। श्रीकांत भासी के विरुद्ध यह पहली अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई नहीं है, लेकिन इस कदम से स्पष्ट संकेत मिलता है कि प्रवर्तन निदेशालय बैंक घोटाले से जुड़े मामलों पर बेहद सख्त रूख अपनाए हुए है। भासी पर पहले से ही धन शोधन और बैंक धोखाधड़ी से संबंधित कई पहलुओं की जांच चल रही है। प्रवर्तन निदेशालय ने इस कार्रवाई की जानकारी अदालत में भी प्रस्तुत कर दी है।1266 करोड़ रुपये के इस बड़े घोटाले में अब कई अन्य लेनदेन और विदेशी कंपनियों की भूमिका की भी जांच हो रही है। एजेंसी का मानना है कि ऋण की बड़ी राशि को जानबूझकर विदेशों में सुरक्षित संपत्तियों में बदल दिया गया, ताकि बाद में डिफ़ॉल्ट होने पर भी आरोपी को नुकसान न हो। आने वाले दिनों में इस मामले में और भी जब्ती तथा गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है।

कोर्ट में पौधों की गवाही ! पौधों की दुर्दशा देख भड़का न्यायालय, जांच अधिकारी को फटकार— एसपी व आईजी को कार्रवाई के आदेश

ग्वालियर। मध्य प्रदेश में एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां जिला अदालत के विशेष न्यायालय में पौधों को खुद कोर्ट में पेश होना पड़ा। ये वही पौधे हैं जिन्हें पुलिस ने 19 अक्टूबर को 280 किलो अवैध गांजा जब्त करने के दौरान ट्रक से बरामद किया था। कुल 1,075 नर्सरी के पौधे पुलिस ने जब्त किए थे, लेकिन जब कोर्ट ने रिपोर्ट मांगी तो संख्या घटकर सिर्फ 325 रह गई, जिसके बाद अदालत ने गंभीर नाराजगी जताई। न्यायालय के आदेश पर जब सभी बचे हुए पौधे अदालत में पेश किए गए और उनकी फिजिकल जांच की गई, तो कोर्ट ने उनकी बदहाली को देखकर सख्त टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि हरियाली बचाने की बात करने वाले इस दौर में पौधों के प्रति ऐसी उदासीनता बेहद चिंताजनक है। कोर्ट ने यह भी माना कि जांच अधिकारी ने बरामद पौधों की किसी भी तरह से सुरक्षा या संरक्षण नहीं किया।

1,075 पौधे बने 325– बाकी कहां गए?

मामला थाना झांसी रोड क्षेत्र का है। पुलिस ने ट्रक से गांजा और पौधे जब्त किए थे। लेकिन करीब 20 दिन तक जांच अधिकारी ने पौधों की कोई सुध नहीं ली और न ही देखभाल की व्यवस्था की। जब कोर्ट ने रिपोर्ट मांगी तो संख्या सीधे 1,075 से 325 बताई गई। बाकी 750 पौधों का क्या हुआ, यह केस डायरी में भी दर्ज नहीं था। यही बात अदालत की नाराजगी का बड़ा कारण बनी।

दिल्ली हाईकोर्ट का सख्त रुख: 1984 सिख विरोधी दंगों के दौरान मौके पर मौजूद थे कमलनाथ, केंद्र और दिल्ली पुलिस से जवाब तलब

भोपाल। दिल्ली। वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करते हुए विस्तृत जवाब मांगा है। अदालत का यह आदेश दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा द्वारा दायर उस अर्जी पर आया है, जिसमें उन्होंने उस समय के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की पुरानी रिपोर्ट को अदालत के अभिलेख में शामिल करने की मांग की है। अर्जी में दावा किया गया है कि दंगों के दौरान गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब के बाहर हुई हिंसा की जगह पर कांग्रेस नेता कमलनाथ मौजूद थे और यह तथ्य तत्कालीन पुलिस अभिलेखों में दर्ज है। सिरसा ने आग्रह किया है कि उस समय के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त गौतम कौल द्वारा तत्कालीन पुलिस आयुक्त को सौंपी गई रिपोर्ट को न्यायालय के रिकॉर्ड में शामिल किया जाए क्योंकि यह मामले की निष्पक्ष जांच के लिए अत्यंत आवश्यक है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र और दिल्ली पुलिस से 15 जनवरी 2026 तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। अदालत के समक्ष सिरसा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एच.एस. फुल्का ने प्रस्तुत किया कि कमलनाथ की मौजूदगी से संबंधित कई प्रविष्टियाँ पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज थीं और उस समय के कई समाचार पत्रों में भी इस संबंध में खबरें प्रकाशित हुई थीं। लेकिन सरकार द्वारा दाखिल स्थिति रिपोर्ट में इन तथ्यों को शामिल नहीं किया गया। यह अर्जी वर्ष 2022 में दाखिल की गई थी और उसी वर्ष हाईकोर्ट ने विशेष जांच दल को स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश भी दिया था।

एफआईआर में पाँच आरोपी दर्ज, कमलनाथ का नाम नहीं – यह मामला संसद मार्ग थाना क्षेत्र की एफआईआर संख्या 601/84 से संबंधित है। एफआईआर में पाँच व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया था। आरोप है कि दंगों के दौरान ये सभी कमलनाथ के निवास स्थान पर ठहरे हुए थे। हालांकि साक्ष्यों के अभाव में सभी आरोपी बरी कर दिए गए। यह भी उल्लेखनीय है कि एफआईआर में कभी भी कमलनाथ का नाम शामिल नहीं किया गया था।

दुःखती रग को दबाने के सियासी मायने

कमलेश पांडे

ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि 'बिटवीन द लाइन्स' से उसका विचलन या भटकाव कब और कैसे शुरू हुआ? इससे कांग्रेस पार्टी को लाभ मिला या घाटा हुआ! क्योंकि कांग्रेस का वैचारिक पतन भारतीय राजनीति के साथ-साथ खुद उसके अस्तित्व के लिए भी एक गम्भीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। नेहरू के वैश्विक सूझबूझ, इंदिरा की राष्ट्रीय पराक्रम और राजीव के टेक्नोक्रेटिक सौम्यता से जो पार्टी सिंचित हुई हो, उसपर ऐसा सियासी लांछन चिंता और चिंतन दोनों का विषय है।

ऐसा इसलिए कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, देश की लौह महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी और देश के युवा प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कतिपय राजनीति, सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, वैश्विक व क्षेत्रीय दर्शन की छाप परवर्ती बाजपेयी और मोदी सरकार पर भी कुछेक मायनों में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ती है। यही उनकी नीतिगत प्रासंगिकता है जिसे कदापि झुठलाया नहीं जा सकता।

तीखा सवाल है कि एक विदेशी व्यक्ति 'ए ओ ह्यूम' द्वारा अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ जनांकांक्षाओं के 'सेफ्टी वॉल्व' के रूप में स्थापित कांग्रेस पार्टी, आखिर में आजादी के बाद भी ब्रिटिशर्स की 'फूट डालो और शासन करो' वाली खतरनाक जातिवादी व सांप्रदायिक नीतियों की अनुगामी कब और कैसे बन गई? जबकि तल्ख सच्चाई है कि मुस्लिम लीग के सांप्रदायिक आह्वान, वामपंथियों के वर्गवादी षड्यंत्र और समाजवादियों के जातीय आह्वान से कांग्रेस नेतृत्व को समय-समय पर न केवल दो-चार होना पड़ा, बल्कि गम्भीर सियासी चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा है। इसी ऊहापोह में वह पतनोन्मुख भी हो गई।

अहम सवाल है कि राजनीति की आड़ में देश व समाज में सक्रिय सांप्रदायिक ताकतों, जातिवादी सूरमाओं, वर्गवादी षड्यंत्रकारियों, क्षेत्रवादियों की अनदेखी कांग्रेस ने क्यों की? वहीं, अपराधियों, नक्सलियों व आतंकवादियों के खिलाफ निर्णायक मुहिम छेड़ते वक्त उसके रणनीतिकारों द्वारा भेदभाव क्यों किया गया? चाहे हिंदुओं के हिस्से वाले हिन्दुस्तान पर पंथनिरपेक्षता (धर्मनिरपेक्षता) थोपने की बात हो, या फिर समग्र व संतुलित विकास की जगह तुष्टीकरण की सियासत को शह देने की बात हो, क्या यह सब महज सियासी बहुमत की प्राप्ति के लिए किया गया, जो प्रवृत्ति आज देश व समाज के समक्ष एक नया नासूर प्रतीत हो रही है। एक और अहम सवाल यह है कि विदेशी ताकतों के समक्ष घुटने क्यों टेके गए? रोटी, कपड़ा और मकान के नारे तो दिए गए, लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य व सम्मान की बात क्यों दरकिनार कर दी गई। कोढ़ में खाज यह कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर एक नहीं बल्कि दो-तीन बार प्रतिबंध तो लगाया गया? लेकिन मुस्लिम लीग के क्लोन बन चुके अतिवादी संगठनों को ढील क्यों दी गई। सिख आतंकवादियों के खिलाफ जितनी सख्ती दिखाई गई, वैसी ही सख्ती मुस्लिम आतंकवादियों के खिलाफ क्यों नहीं दिखाई गई? यही नहीं, ब्रेक के बाद होने वाले सांप्रदायिक दंगों और जातीय संघर्षों के खिलाफ कड़े कदम क्यों नहीं उठाए गए? कानूनी विसंगतियों को दूर करने के लिए ठोस कदम क्यों नहीं उठाए गए। ऐसे बहुत से सवाल हैं, जिनका उत्तर हर प्रबुद्ध भारतीय चाहेगा,

क्योंकि इन्हीं से जुड़े अदूरदर्शिता भरे टालमटोल वाले निर्णयों में कांग्रेस के लगातार कमजोर होते जाने के संकेत छिपे हैं। हद तो यह कि जिन वामपंथियों, समाजवादियों ने कांग्रेस को कमजोर किया, फिर उन्हीं के साथ गठबंधन करके अपना बचा-खुचा जनाधार क्यों सौंप दिया गया?

इस प्रकार भारतीय राजनीति में कांग्रेस के पतन के सियासी प्रभाव को व्यापक और दूरगामी बताया जा रहा है, जिसमें नेतृत्व की कमजोरी, आंतरिक कलह, गठबंधन अस्थिरता, क्षेत्रीय दलों के उभार और भाजपा के सशक्त संगठन का बड़ा योगदान है। मेरे विचार से कांग्रेस के पतन के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं-

पहला, पार्टी के नेतृत्व का संकटः कांग्रेस में लंबे समय से स्पष्ट और प्रभावशाली नेतृत्व की कमी देखी गई है। चाहे पंडित जवाहर लाल नेहरू हों, इंदिरा गांधी हों, या राजीव गांधी हों, सबने प्रतिभाशाली नेताओं को दरकिनार किया और चापलूसों को बढ़ावा दिया। सूबाई नेतृत्व को कभी भी जमने का मौका नहीं दिया। बार बार राज्यों के मुख्यमंत्री बदले गए। इनके बाद वाले शीर्ष नेताओं यथा- सोनिया गांधी, राहुल गांधी ने असहमति से निबटने और पार्टी के भीतर गुटबाजी के लगातार बढ़ने को थामने का कोई मुकम्मल इंतजाम नहीं किया। खैर, सोनिया गांधी ने तो कुछ समझदारी भी दिखाई, लेकिन राहुल गांधी-प्रियंका गांधी अपनी पार्टी को मजबूती प्रदान करने में लगातार विफल साबित हुए हैं। इसलिए उन्हें खुद आत्ममंथन करना चाहिए।

दूसरा, पार्टी के नेताओं की आंतरिक कलहः कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के असंतोष और पार्टी छोड़ने जैसी घटनाएँ निरंतर पार्टी की आधार को कमजोर करती रही हैं। अपनी स्थापना के 4-5 दशक बाद ही पार्टी गम्भीर मतभेदों की शिकार हो गई। महात्मा गांधी का पक्षधर मिजाज, नेहरू जी की स्वार्थपरकता, इंदिरा जी की हठधर्मिता और राजीव गांधी की सियासी अनुभवहीनता से बहुत सारे गलत निर्णय हुए, जो देर सबेर कांग्रेस व उसके विभिन्न स्तरीय नेतृत्व पर भारी पड़े। वैसे भी संगठन विस्तार और विचारधारा के स्तर पर मतभेद अक्सर सामने आते रहते हैं, लेकिन उनपर पारदर्शी बहस की हमेशा कमी महसूस हुई। यही वजह है कि कांग्रेस कई बार टूटी भी, लेकिन इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी ने उनका बखूबी मुकाबला किया और खुद को मुख्यधारा वाली कांग्रेस साबित किया। लेकिन राहुल गांधी और प्रियंका गांधी अपने पुराने नेताओं को पार्टी से जोड़े रखने में विफल रहे। जबकि उन्हें चाहिए कि वह पुराने, उम्रदराज और वफादार नेताओं का मानमनौव्वल करके भी पार्टी से उन्हें जोड़े रखें। अपनी पार्टी के अनुभवी सहयोगियों को भी पार्टी से जोड़े रखें, जबकि वे सबको रोकने में विफल रहे। इससे नेतृत्व संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। वहीं, युवा नेतृत्व भी नहीं पनप पा रहा है। यह कांग्रेस का सबसे बड़ा रणनीतिक संकट है।

तीसरा, कांग्रेस के वोट बैंक पर क्षेत्रीय दलों का उभारः सूबाई राजनीति में पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस, महाराष्ट्र की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, आंध्रप्रदेश की वाईएसआरकांग्रेस आदि तो कांग्रेस से निकली और सफल रही पार्टियां हैं। वहीं, बिहार में राष्ट्रीय जनता दल और यूपी में समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के दलित-अल्पसंख्यक जनाधार को हसोथ लिया है। आम आदमी पार्टी, डीएमके, बीजेडी, नेशनल कांफ्रेंस, बसपा, लोजपा आदि से गठबंधन करके कांग्रेस ने खुद ही अपने पैर में कुल्हाड़ी मार ली। इंडिया गठबंधन के नाम पर एकजुट हुए दल भी कांग्रेस के वोट से ही जनाधार वाले बने और कांग्रेस की ही नुक्ताचीनी शुरू कर दी, जिसकी सियासी कीमत कांग्रेस ने महाराष्ट्र, हरियाणा व दिल्ली विधानसभा चुनावों में चुकाई। विचारणीय सवाल है कि इन जैसी क्षेत्रीय पार्टियों को समर्थन देने से बेहतर है कि उनके इलाके में कांग्रेस के स्वाभाविक नेतृत्व को विकसित होने दिया जाये, ताकि कांग्रेस के पारंपरिक वोट बैंक में कोई दूसरा सेंध नहीं लगा सके। राज्यों में कांग्रेस का असर उसके सहयोगियों के चलते ही घटता जा रहा है, क्योंकि वे कांग्रेस को परजीवी बनाना चाहते हैं। बिहार में तेजस्वी यादव और उत्तरप्रदेश में अखिलेश यादव के सियासी व्यवहार से कांग्रेस नेतृत्व को समय रहते ही सजग हो जाना चाहिए, क्योंकि ये राहुल-प्रियंका के सहयोगी नहीं, बल्कि मजबूत प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरेंगे, जब पीएम बनने की बारी आएगी।

चौथा, कमजोर संगठनात्मक ढाँचाः जमीनी स्तर पर कांग्रेस का संगठन अब उतना प्रभावशाली नहीं है, जितना वह पहले था। खासकर सेवा दल, युवा कांग्रेस आदि का प्रभाव अब बेहद कम हुआ है, अन्यथा पहले इनकी तूती बोलती थी। इसके पीछे पार्टी नेतृत्व और उनके चाटूकार नेताओं द्वारा जमीनी सशक्त नेतृत्व की सियासी भ्रूणहत्या की नापाक कोशिशें रही हैं। आज पंचायत स्तर पर, शहरी वार्ड स्तर पर, प्रखंड और जिला स्तर पर स्वाभाविक नेतृत्व को कभी पनपने ही नहीं दिया गया। कुछ धन्नासेठों व पुराने राजनीतिक परिवारों के लगुवे-भगुवे को संगठनात्मक पद या टिकट देने की जो प्रवृत्ति पार्टी में घर कर गई है, उससे पार्टी का जनाधार खिसका है। चूंकि प्रदेश स्तर पर नेतृत्व में स्थायित्व नहीं है, इसलिए जिला व प्रखंड स्तर पर पार्टी निरंतर कमजोर होती जा रही है। जनहित के मुद्दों से उसका वास्ता ऑन द स्पॉट नहीं है, बल्कि मीडिया व सोशल मीडिया तक सीमित है। धरना-प्रदर्शन भी सिर्फ खानापूर्ति भर के लिए किए जाते हैं।

पांचवां, पार्टी की नीतिगत अस्पष्टताः पहले कांग्रेस एक नीतिगत पार्टी थी, जिससे भारतीयता की झलक मिलती थी। यह मध्यममार्गी पार्टी इसलिए समझी जाती थी कि इसने विचारधारा के स्तर पर सदैव मध्यम मार्ग यानी सबका भला सोचने को प्राथमिकता दी। इसने उग्र वामपंथ और दक्षिणपंथ को कभी प्रश्रय नहीं दिया। यह पूँजीवाद और साम्यवाद से इतर नागरिक समाजवाद पर जोर देती रही और मिश्रित अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। जिससे सार्वजनिक व निजी क्षेत्रों ने आशातीत उन्नति की। लेकिन बाद के वर्षों में पार्टी के नीतिगत एजेंडे में व्यापक बदलाव आया। वह सांप्रदायिक व जातिवादी ताकतों के समक्ष घुटने टेकने लगी।

विश्व मुक्केबाजी कपः

प्रीति ने किया बड़ा उलटफेर, ओलंपिक पदक विजेता हुआंग सियाओ वेन को हराया

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में मंगलवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता और तीन बार की विश्व चैंपियन चीनी ताइपे की हुआंग सियाओ-वेन को प्रीति पवार (54 किग्रा) ने हराकर फाइनल में प्रवेश किया। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुए फाइनल में प्रीति ने अरुंधति चौधरी, मीनाक्षी हुड्डा, अभिनाश जामवाल, अंकुश फंगल, नुपुर श्योराण, नरेंद्र बेरवाल, और परवीन सहित आठ भारतीयों के साथ फाइनल में जगह बनाई। हुआंग सियाओ-वेन के खिलाफ जीत के बाद प्रीति ने कहा, 'मुझे पता था कि वह विश्व चैंपियन हैं, लेकिन विश्व चैंपियन बनने के लिए आपको एक विश्व चैंपियन को हराना होगा। मुकाबले से पहले मेरी यही सोच थी। मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था।

दर्शकों ने जिस तरह मेरा समर्थन किया, उस वजह से ही जीत दर्ज कर पाई। अरुंधति ने 2025 विश्व मुक्केबाजी कप के तीनों चरणों की पदक विजेता जर्मनी की लियोनी मुलर को हराया। पूर्व युवा विश्व चैंपियन और स्ट्रैंड्जा पदक विजेता, अरुंधति, डेढ़ साल के अंतराल के बाद प्रतिस्पर्धा कर रही थीं। उन्होंने शुरुआती दोनों राउंड में पूरी आक्रामकता के साथ जीत हासिल की और फाइनल में अपनी जगह पक्की की। विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) ने कोरिया की बाक चो-रोंग पर शानदार जीत दर्ज की। दो बार के विश्व मुक्केबाजी कप पदक विजेता अभिनाश (65 किग्रा) ने यूक्रेन के एल्विन अलीएव को हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। नरेंद्र (90+ किग्रा) ने भी कजाकिस्तान के दानियाल सपारबे के खिलाफ अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ फाइनल में प्रवेश किया। अंकुश (80 किग्रा) ने अपनी गति और दबाव से ऑस्ट्रेलिया के मार्लन सेवेहोन को 5:0 से हराया। नुपुर (80+ किग्रा) ने यूक्रेन की मारिया लोवचिन्स्का को हराया। परवीन (60 किग्रा) ने दिन का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए पोलैंड की विश्व मुक्केबाजी कप रजत पदक विजेता रयगेल्स्का अनेटा एल्जबिएटा को 3:2 के कड़े मुकाबले में हराया। स्वीटी बूरा (75 किग्रा) ऑस्ट्रेलिया की एम्मा-सू ग्रीनट्री से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं, जबकि नवीन का सफर भी कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ। चौथे दिन नौ भारतीय खिलाड़ी मैदान में उतरेंगे, जिनमें दो बार की विश्व चैंपियन निखत जरीन (51 किग्रा) का मुकाबला उज्बेकिस्तान की गुलसेवर गनीवा से और मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लैम्बोरिया (57 किग्रा) का मुकाबला कजाकिस्तान की उल्जान सरसेनबेक से होगा।

ठिठुरती ठंड में स्क्वॉश का तड़का

डेली कॉलेज के ग्लास कोर्ट पर भारतीय खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

इंदौर। नवंबर की कड़कड़ाती ठंड के बीच डेली कॉलेज के विश्वस्तरीय ग्लास कोर्ट पर एसआरएफआई इंडियन ओपन 2025 स्क्वॉश टूर्नामेंट का रोमांच लगातार बढ़ता जा रहा है। बुधवार को खेले गए मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाते हुए दर्शकों में जोश भर दिया।

सूरज कुमार चंद ने पलटा मैच, रोमांचक जीत दर्ज – पुरुष वर्ग के सबसे रोमांचक मुकाबले में भारत के सूरज कुमार चंद ने मिस्र के यासीन एल्शाफेई को कड़े संघर्ष में 3-2 से हराकर अगले दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। सूरज पहला गेम 3-11 से हार गए थे, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अगला दो गेम 11-6, 11-3 से जीते। चौथे गेम में 7-11 से हारने के बाद निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त जंग देखने को मिली। अंततः सूरज ने 17-15 से गेम और मैच जीतकर दर्शकों की तालियाँ बटोरीं।

विदेशी खिलाड़ियों का भी प्रभाव – अन्य पुरुष वर्ग के मुकाबलों में इंग्लैंड के सैमुअल ऑस्वॉर्न वाइल्ड, हांगकांग के मैथ्यू लाई, फ्रांस के एडविन क्लेन ने अपने-अपने मैच जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया।

महिला वर्ग में भारतीय चमक – महिला वर्ग में भी भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन प्रभावी रहा। अंकिता दुबे ने अंजलि सेमवाल को 3-1 से हराया। राधिका सुर्थथिरा ने कनाडा की वाहबिज बुलसारा को एकतरफा मुकाबले में 3-0 (11-8, 11-8, 11-5) से मात देकर धमाकेदार प्रदर्शन किया।

उन्नति, महक और ईशा को हार – कुछ भारतीय खिलाड़ियों को कड़े मुकाबलों में हार का सामना भी करना पड़ा। उन्नति त्रिपाठी को भारत की ही शमीना रियाज ने 3-2 से हराया। महक तलाती माल्टा की खिलाड़ी कोलेटी सुल्ताना से मुकाबला नहीं जीत सकीं। भारत की ईशा श्रीवास्तव को जू फू ने 3-0 (11-2, 11-3, 11-7) से हराकर बाहर कर दिया।

दर्शकों का उत्साह बढ़ा रहा आयोजन – सुबह से देर शाम तक चले मुकाबलों के दौरान कोर्ट में दर्शकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। ठंड के बावजूद स्क्वॉश प्रेमियों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों को समर्थन दिया। खासकर भारतीय खिलाड़ियों के मैचों में माहौल बेहद जोशीला रहा। टूर्नामेंट के आगामी दौर अब और भी रोमांचक माने जा रहे हैं, क्योंकि भारतीय और विदेशी खिलाड़ी नॉकआउट चरण के करीब पहुँच रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 के दूसरे दौर में प्रणय, आयुष और थारुन

सिडनी, एजेंसी। भारतीय शटलर ने ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 में दमदार प्रदर्शन किया है। एचएस प्रणय, आयुष शेट्टी और थारुन मन्नेपल्ली ने 4,75,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट में पहले दौर के कड़े मुकाबलों में जीत हासिल करते हुए पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। 33 वर्षीय एचएस प्रणय शुरुआत में जूझते नजर आए। प्रणय शुरुआती गेम में लय में नजर नहीं आए और दुनिया के 85वें नंबर के खिलाड़ी योहानेस सॉट मार्सेलिनो से 6-21 से हार गए। इसके बावजूद एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता ने संयम बनाए रखते हुए अपने डिफेंस को मजबूत बनाया। उन्होंने रैलियों पर नियंत्रण रखते हुए 57 मिनट तक चले मुकाबले में अगले दो गेम 21-12, 21-17 से जीत लिए।

अब 2023 के उपविजेता एचएस प्रणय का सामना इंडोनेशिया के आठवें वरीय अल्वी फरहान से होगा। दूसरी ओर, कर्नाटक के 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी। इस साल की शुरुआत में यूएस ओपन में अपनी पहली सुपर 300 जीत के बाद दुनिया के 32वें नंबर के खिलाड़ी ने कनाडा के सैम युआन को 21-11, 21-15 से शिकस्त दी। यह मुकाबला केवल 33 मिनट तक चला। आयुष शेट्टी विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता रहे हैं। उनका सामना चौथे वरीय कोडाई नाराओका और शियाओडोंग शेंग के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। एक अन्य मुकाबले में थारुन मन्नेपल्ली ने डेनमार्क के मैग्नस जोहानसन के खिलाफ 21-13, 17-21, 21-19 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला 66 मिनट तक चला।

2023 के राष्ट्रीय खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अब चीन ताइपे के पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुन-यी से चुनौती का सामना करेंगे। वहीं, किरण जॉर्ज को जापान के छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो से 21-11, 22-24, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के शीर्ष खिलाड़ी लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत इस टूर्नामेंट में जल्द अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। देश को इन शटलर्स से खासा उम्मीदें हैं।

आईसीसी रैंकिंग : रोहित शर्मा से छिना नंबर 1 का ताज, अभिषेक शर्मा की बादशाहत बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी द्वारा 19 नवंबर बुधवार के दिन इस हफ्ते की ताजा रैंकिंग जारी कर दी गई हैं। तीन हफ्ते तक नंबर 1 वनडे बल्लेबाज बने रहने के बाद हिटमैन रोहित शर्मा से यह ताज छिन गया है। न्यूजीलैंड के डैरिल मिचेल को लगातार शानदार प्रदर्शन का फल मिला है। लेकिन टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में अभिषेक शर्मा की लंबे समय से बादशाहत बरकरार है और वह नंबर 1 की कुर्सी पर काबिज हैं। मिचेल के 782 रेटिंग पॉइंट्स हैं तो रोहित के 781 अंक हैं। साथ ही साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में फ्लाप होने वाले यशस्वी जायसवाल को नुकसान उठाना पड़ा है। बाएं हाथ के भारतीय सलामी बल्लेबाज को टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में दो स्थान का नुकसान हुआ है। यशस्वी अब टॉप 5 से बाहर होकर सातवें स्थान पर आ गए हैं। इस लिस्ट में जो रूट टॉप पर काबिज हैं।

भारत के 2 गेंदबाजों के सिर नंबर 1 का ताज बरकरार

गेंदबाजों की बात करें तो टी20 में भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की बादशाहत इस हफ्ते भी बरकरार रही है। साथ ही स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट के नंबर 1 गेंदबाज बने हुए हैं। जबकि वनडे में अफगानिस्तान के राशिद खान नंबर 1 गेंदबाज हैं।

एशियन कप क्वालिफायरः

भारतीय फुटबॉल टीम की तीसरी हार, 183वीं रैंकिंग वाली बांग्लादेश ने भी दी मात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल टीम का एशियाई कप 2027 क्वालिफायर्स में लगातार खराब प्रदर्शन जारी है। पांच मैचों के बाद भी भारतीय टीम के लिए जीत का खाता नहीं खुल पाया है। टीम को तीसरी हार झेलनी पड़ी है। खास बात यह है कि फीफा रैंकिंग में 136वें स्थान पर काबिज भारतीय फुटबॉल टीम को 183वीं रैंकिंग वाली बांग्लादेश की टीम ने हरा दिया।

मंगलवार 18 नवंबर को ढाका में हुए इस मैच को बांग्लादेश ने 0-1 से अपने नाम किया। एशियाई कप 2027 में जगह बनाने की दौड़ से भारतीय फुटबॉल टीम पहले ही बाहर हो चुकी है। बांग्लादेश के लिए शेख मुरसलीन ने ग्रुप सी के इस मैच के 11वें मिनट में मुकाबले का इकलौता गोल दागा और यही भारत की हार का कारण बन गया। भारत को 31वें मिनट में गोल करने का सुनहरा मौका मिला था जब बांग्लादेश के गोलकीपर मितुल मार्मा के गोल पोस्ट से दूर थे। इसके बावजूद लालियानजुआला चांगटे गोल करने से चूक गए। बॉक्स पास से दाएं पैर से लगाए गए उनके किक को हमजा चौधरी ने हेडर से रोक दिया। पहले हाफ में टच लाइन के पास दोनों टीमों के कुछ खिलाड़ियों के बीच धक्का-मुक्की हुई लेकिन रेफरी ने स्थिति को काबू में कर लिया। भारत का अभियान 14 अक्टूबर को ही गोवा के मडगांव में सिंगापुर के खिलाफ 1-2 से हार के बाद समाप्त हो गया था।

यह मैच हालांकि किसी भी टीम के टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के हिसाब से महत्वहीन था, क्योंकि भारत के साथ बांग्लादेश की टीम भी 2027 के महाद्वीपीय टूर्नामेंट की दौड़ से बाहर हो गई है। भारत पांच मैचों में तीन हार और दो ड्रॉ से दो अंक लेकर चार टीमों की ग्रुप तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। बांग्लादेश की यह पांच मैचों में पहली जीत है और टीम पांच अंक के साथ ग्रुप तालिका में तीसरे स्थान पर है। दोनों देशों के बीच पहले चरण का मैच 25 मार्च को शिलांग में गोलरहित ड्रॉ पर छूटा था।

जानवरों को ठंड से बचाने के लिए दिल्ली के जू में बन गया विंटर प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। तापमान लगातार गिरने के कारण, दिल्ली चिड़ियाघर ने अपने जानवरों के लिए सर्दियों की योजना तैयार कर ली है। इस योजना में हीटर और डीह्यूमिडिफायर (नमी कम करने वाले उपकरण) लगाने से लेकर जानवरों के आहार में मेवे (नट्स) और गुड़ शामिल करने तक के उपाय किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के तहत, युवा प्राइमेट्स (जैसे बंदर आदि) को कंबल दिए जाएंगे, जबकि उनके बाड़ों को गर्म रखने के लिए बांस की जाफरी की फूस का इस्तेमाल किया जाएगा।

तापमान की स्थिति इस मौसम में पहली बार, दिल्ली का न्यूनतम तापमान 15 नवंबर को 10 डिग्री से नीचे चला गया था।17 नवंबर को यह 8.7 डिग्री था, जो कि पिछले तीन सालों में नवंबर का सबसे कम तापमान था। मंगलवार को तापमान 9.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री कम था। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, दिसंबर के अंत और जनवरी की शुरुआत तक, दिल्ली में न्यूनतम तापमान का 5 डिग्री से नीचे जाना असामान्य नहीं है।

दिल्ली जू के हवाले से बताया गया कि वह विभिन्न प्रजातियों की जरूरतों

को पूरा करने के लिए पर्याप्त हीटिंग (गर्म करने) की व्यवस्था के साथ, प्रजाति-वार अलगाव भी करेगा। सर्दियों के आहार में बदलाव सहित यह योजना 1 नवंबर से लागू हो गई है। चिड़ियाघर के निदेशक, संजीव कुमार ने कहा, इस साल प्रजाति-विशिष्ट और साथ ही उम्र-विशिष्ट विस्तृत योजना तैयार की गई है और ठंड की तीव्रता के आधार पर टीम ने इसे 1 नवंबर से ही लागू करना शुरू कर दिया है।

मणिपुरी हिरण जैसी प्रजातियों में, जो आमतौर पर सर्दियों के दौरान बच्चे को जन्म देते हैं, मां और नवजात शिशुओं पर दबाव कम करने के लिए प्रमुख नर को अलग किया जा रहा है। कुमार ने आगे बताया, शाकाहारी जानवरों और पक्षियों को धान के पुआल की बिस्तर-व्यवस्था दी जा रही है, जबकि मांसाहारी और प्राइमेट्स को बर्फीली ठंडी जमीन से दूर रखने के लिए लकड़ी के तख्ते और चटाइयां दी जा रही हैं। इस महीने सक्रिय किए गए शुरुआती हस्तक्षेपों में से एक यह है कि नवजात प्राइमेट्स के लिए कंबल जारी किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कई बाड़ों में हीटर और डीह्यूमिडिफायर (नमी कम करने वाले उपकरण) भी लगाए गए हैं।

सरीसृप घर के लिए, स्थिर तापमान बनाए रखने के लिए विशेष थर्मोरेगुलेशन (तापमान नियंत्रण) और आर्द्रता नियंत्रण प्रणालियां स्थापित की गई हैं। चिड़ियाघर के अधिकारियों ने बताया कि सर्दियों के लिए विशेष आहार में मौसमी सब्जियों, पोषक तत्वों की खुराक और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों के अलावा, ज्यादातर मेवे (नट्स), गुड़ और गन्ना शामिल हैं। एक चिड़ियाघर के अधिकारी ने कहा, संवेदनशील प्रजातियों को ठंडी हवा के झोंकों से बचाने के लिए, चिड़ियाघर ने पक्षियों के बाड़ों और अन्य कमज़ोर हिस्सों में बाँस की जाफरी की फूस लगाई है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जैसे-जैसे तापमान और गिरेगा, सुरक्षा की और परतें जोड़ी

दिल्ली का खान मार्केट दुनिया के महंगे हाई-स्ट्रीट रिटेल लोकेशनों की सूची में एक पायदान खिसककर 24वें स्थान पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली का खान मार्केट दुनिया के महंगे हाई-स्ट्रीट रिटेल लोकेशनों की सूची में एक पायदान खिसककर 24वें स्थान पर पहुंच गया है. कशमैन एंड वेकफील्ड की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, यहां का सालाना किराया 223 डॉलर प्रति वर्ग फुट है। भारतीय रुपयों में यह 19500 रुपए प्रति वर्ग फुट है। पिछले साल यह मार्केट 23वें नंबर पर था। इसके बावजूद खान मार्केट देश का सबसे महंगा हाई-स्ट्रीट बना हुआ है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि लंदन का न्यू बॉन्ड स्ट्रीट दुनिया का सबसे महंगा रिटेल डेस्टिनेशन बन गया है, जहां किराया 2,231 डॉलर प्रति वर्ग फुट है. मिलान की वाया मोंटे नेपोलेओने दूसरे और न्यूयॉर्क की अपर 5 एवेन्यू तीसरे स्थान पर है। कशमैन एंड वेकफील्ड की 'मेन स्ट्रीट्स अक्रॉस द वर्ल्ड 2025' रिपोर्ट 138 प्रमुख रिटेल लोकेशनों के किरायों पर आधारित है। इस ग्लोबल इंडेक्स में हांगकांग का चिम सा चुई चौथे, पेरिस का शॉप्स-एलीजे पांचवें और टोक्यो का गिंजा छठे स्थान पर है। इस

मामले पर बात रते हुए कंपनी के मुंबई और न्यू बिजनेस के एक्जिक्यूटिव मैनेजिंग डायरेक्टर गौतम सराफ ने कहा कि भारत के हाई-स्ट्रीट लोकेशन तेजी से मजबूत हो रहे हैं और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। खान मार्केट, कनॉट प्लेस और गुरुग्राम के गैलेरिया मार्केट जैसे स्थान अंतरराष्ट्रीय और घरेलू ब्रांडों को आकर्षित कर रहे हैं। सीमित मॉल सप्लाई के बीच ये हाई-स्ट्रीट रिटेलरों के लिए रणनीतिक केंद्र बन गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के टियर-1 शहरों में एशिया-प्रशांत क्षेत्र की सबसे तेज रेंटल ग्रोथ दर्ज की गई है। गुरुग्राम के गैलेरिया मार्केट में किराया 25त्न बढ़ा, जबकि दिल्ली के कनॉट प्लेस में 14त्न और मुंबई के केम्प्स कॉर्नर में 10त्न की बढ़ोतरी हुई।

सर्वे पूरा, बजट पास हो गया, फिर कहां अटक गई एफएनजी योजना?

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मार्ट सिटी में फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद (एफएनजी) परियोजना का बजट पास होने और मंत्रियों के दावों के बावजूद सिरे नहीं चढ़ रही है। छह माह से मुख्यमंत्री कार्यालय में फाइल अटकी हुई है।

औद्योगिक नगरी से रोजाना करीब 50 हजार लोग नौकरी व अन्य कामों के लिए नोएडा-गाजियाबाद आवाजाही करते हैं। नोएडा और फरीदाबाद के बीच यमुना है। इस कारण दो राज्यों के बीच अभी कोई सीधी सड़क नहीं है। लोगों को सड़क मार्ग से कालिंदीकुंज होकर नोएडा जाना पड़ता है। यहां सुबह-शाम भारी जाम की समस्या रहती है। वहीं, दिल्ली की तरफ से नोएडा जाने पर घंटों ट्रैफिक में फंसना पड़ रहा है। मेट्रो से जाने पर करीब करीब डेढ़ घंटे का समय लगता है। एफएनजी परियोजना के सिरे चढ़ने पर दो राज्यों के बीच की दूरी कम होगी। एफएनजी परियोजना प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल है। इसे लेकर वर्ष 2022 में पूर्व मुख्यमत्री मनोहर लाल ने अधिकारियों के साथ समीक्षा भी की थी। तब उन्होंने अधिकारियों को जल्द समस्त विवाद सुलझाने के आदेश दिए थे। दोनों राज्यों के बीच समन्वय नहीं बन पा रहा है। फरीदाबाद में यह परियोजना महज कागजों पर चल रही है। डीपीआर के अनुसार इस प्रोजेक्ट में यमुना पर 700 मीटर लंबा पुल बनेगा, जिसका आधा-आधा खर्च हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकार करेगी। एक अप्रैल को हुई बैठक में शहरी विकास सलाहकार डीएस ढेसी ने कालिंदी कुंज जाम से निजात दिलाने के लिए एफएनजी परियोज ना को अत्यंत आवश्यक बताया था।

फिदायीन हमले को 'शहादत' बताने वाले आतंकी उमर नबी को असदुद्दीन ओवैसी का जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बम धमाका करके अपने साथ 15 लोगों की जिंदगी छीनने वाला आतंकी उमर नबी बम बांधकर इस तरह किए जाने वाले फिदायीन हमलों को मजहब का सबसे अच्छा काम मनता था। उमर के फोन से निकले एक वीडियो में वह इसे इस्लाम में जायज ठहराने की कोशिश करता दिखा। अब एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने आतंकी के कुतर्कों का जवाब देते हुए कहा कि यह इस्लाम में हराम है। उन्होंने कहा कि यह आतंकवाद के अलावा कुछ नहीं है।

दिल्ली में लाल किले के पास कार में धमाका करके मासूम लोगों की जान लेने वाले आतंकी का मोबाइल फोन कश्मीर से बरामद किया गया है। घटना से कुछ दिन पहले वह अपने घर गया था और अपने भाई को एक फोन यह कहकर दे आया था कि यदि उसके बारे में कोई जानकारी आए तो इसे पानी में फेंक देना। अब पुलिस ने उसके भाई को हिरासत में लेकर

फोन बरामद किया तो उसमें यह वीडियो सामने आया। वीडियो में उमर नबी फिदायीन हमले को जायज ठहराते हुए कहता है कि इसे गलत समझा जा रहा है और इसके खिलाफ कई तर्क दिए जा रहे हैं, लेकिन सुसाइड बॉम्बिंग शहादत का अभियान है जिसे इस्लाम में भी इसी रूप में बताया गया है।

ओवैसी ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा कि दिल्ली ब्लास्ट के आरोपी उमर नबी का एक बिना तारीख वाला वीडियो आया है जिसमें वह सुसाइड बॉम्बिंग को शहादत और गलत समझा गया बताते हुए उचित ठहरा रहा है।

ओवैसी ने कहा, सुसाइड इस्लाम में हराम है और निर्दोष लोगों की हत्या बहुत बड़ा पाप है। इस तरह की हरकत कानून के भी खिलाफ है। इसे किसी भी तरह से गलत नहीं समझा गया है। यह आतंकवाद के अलावा कुछ नहीं है। एआईएमआईएम नेता ने गृहमंत्री अमित शाह की ओर से किए गए दावे का जिक्र करते हुए पूछा कि इस समूह का पता नहीं लगा पाने के लिए जिम्मेदार कौन है। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव के दौरान अमित शाह ने संसद को भरोसा दिया कि पिछले छह महीने में कोई भी स्थानीय कश्मीरी आतंकवादी समूहों में शामिल नहीं हुआ। तब यह समूह कहां से आया? इस समूह का पता नहीं लगा पाए जाने के लिए कौन जिम्मेदार है?

सऊदी क्राउन प्रिंस के अमेरिकी दौरे को लेकर मचा हंगामा? 9/11 से है इसका कनेक्शन

अबुधवावी/न्यूयार्क एजेंसी। व्हाइट हाउस में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के दौरे पर गहमागहमी मची है। जब वे ओवल ऑफिस में थे तो बाहर 9/11 हमलों में मारे गए लोगों के परिवार वाले गुस्से में चीख रहे थे।

इस हादसे के 23 साल बाद भी लोगों के मन में घाव आज भी ताजा हैं। पीड़ितों के परिजन प्रिंस की मौजूदगी से आगबबूला हैं और जवाबदेही मांग रहे हैं, जबकि सलमान ने दावा किया कि 9/11 हमले असल में अमेरिका-सऊदी रिश्ते को तोड़ने की ओसामा बिन लादेन की साजिश थे।

प्रिंस का यह बयान उस वक्त आया जब वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रेस

कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। दोनों नेताओं ने सिविलियन न्यूक्लियर डील और स्त्र-35 लड़ाकू विमानों की बिक्री का ऐलान किया था। लेकिन रिपोर्टरों ने प्रिंस को 9/11 और पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या पर घेर लिया।

मोहम्मद बिन सलमान ने साफ कहा, 'ओसामा बिन लादेन ने सऊदी लोगों का इस्तेमाल 9/11 हमलों में इसलिए किया था ताकि अमेरिका और सऊदी अरब के रिश्ते हमेशा के लिए टूट जाएं। उसका मकसद यही था। जो लोग आज भी इस हमले के लिए सऊदी अरब को जिम्मेदार ठहराते हैं, वो अनजाने में लादेन का काम पूरा कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरी पत्नी और मेरा परिवार भी अमेरिका में रहते हैं, हमें उन परिवारों का दर्द महसूस होता है। लेकिन हमें हकीकत को देखना होगा। ष्ट्ठ के दस्तावेज भी यही कहते हैं कि लादेन जानबूझकर सऊदी नागरिकों का इस्तेमाल कर रहा था ताकि दोनों देश एक-दूसरे से दूर हो जाएं। मजबूत अमेरिका-सऊदी रिश्ता आतंकवाद और चरमपंथ के लिए खतरा है, लादेन यह बात अच्छी तरह जानता था।'

एपस्टीन ईमेल के बाद यूएस के पूर्व ट्रेजरी सचिव का इस्तीफा

न्यूयार्क, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सचिव) लैरी समर्स ने पद छोड़ने का एलान किया है। समर्स हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने ये फैसला जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले में नाम सामने आने के बाद लिया है। समर्स ने कहा, 'अपने सबसे करीबी लोगों के साथ विश्वास फिर से बहाल करने और रिश्ते सुधारने' के लिए उन्होंने सार्वजनिक प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने का फैसला लिया है। दरअसल, एपस्टीन से जुड़ा ईमेल जारी होने के बाद पता चला है कि समर्स को साल 2008 में एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति के लिए उकसाने का दोषी ठहराया गया। इसके बाद भी समर्स और एपस्टीन के मैत्रीपूर्ण संबंध लंबे समय तक बने रहे। समर्स ने कहा, 'मुझे अपने किए पर बहुत शर्म आती है। मैं उस दर्द को समझता हूं जो उन्होंने मुझे पहुंचाया है। मैं एपस्टीन के साथ संवाद जारी रखने के अपने गलत फैसले की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।' हालांकि, समर्स ने यह स्पष्ट नहीं किया वह पढ़ाना जारी रखेंगे या वहां से भी पीछे हट जाएंगे। बता दें कि एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के आरोपों से जुड़े मुकदमे चलाने की तैयारियां हो रही थीं, लेकिन 2019 में उन्होंने मैनहट्टन जेल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। ये भी दिलचस्प है कि समर्स की इस घोषणा से कुछ ही दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि वह न्याय विभाग और एफबीआई से समर्स के एपस्टीन, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और रीड हॉफमैन (लिंक्डइन के संस्थापक और डेमोक्रेट समर्थक) के साथ संबंधों की जांच करने के लिए कहेंगे।